B.A Part I
Paper I&II

एकाधिकार एवं एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता में अन्तर :-
(Differences between Monopoly and Monopolistic competition)

बाजार की इन दो विभिन्न अवस्थाओं में कुछ समानताएँ तथा कुछ असमानताएँ पाई जाती हैं जिनकी हम क्रमशः विवेचना करते हैं।

8.8.22

समानताएँ (Similarities) - एकाधिकार तथा एकाधिकारात्मक प्रतियोगिताएँ में निम्नलिखित समानताएँ पाई जाती हैं :

(i) दोनों में माँग वक्र (AR) नीचे दायीं ओर झुकने वाला होता है और उसके अनुरूप MR वक्र माँग वक्र के नीचे स्थित होता है।

(ii) दोनों बाजार अवस्थाओं में संतुलन बिन्दु कीमत रेखा (AR) से नीचे स्थित होता है।

(iii) दोनों में संतुलन, MC एवं MR के एक-दूसरे के बराबर होने के बिंदु पर होता है और MC वक्र MR वक्र को नीचे से काटता है।

(iv) दोनों अवस्थाओं में अतिरिक्त क्षमता पाई जाती है अर्थात् LAC को AR इसके न्यूनतम बिन्दु पर स्पर्श नहीं करता।

(v) दोनों में ही उत्पादक कीमत-निर्माता (price-maker) होते हैं। वे अपनी इच्छानुसार ~~प्रतियोगिता~~ कीमत को घटा या बढ़ा सकते हैं।

असमानताएँ (Dissimilarities) - एकाधिकार एवं एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता में समानताओं की अपेक्षा असमानताएँ अधिक पाई जाती हैं; जो निम्नलिखित हैं :

(i) एकाधिकार ~~में~~ में एक वस्तु का उत्पादक केवल एक ही होता है, जबकि एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता में उत्पादकों की संख्या बहुत होती है।

Scanned by CamScanner

(iii) एकाधिकार में फर्म और उद्योग में कोई अन्तर नहीं पाया जाता। एकाधिकारी फर्म ही उद्योग होता है। इसके विपरीत एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता में अनेक फर्में होती हैं तथा उद्योग को समूह (group) कहते हैं।

(iv) एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता में एक ही वस्तु का उत्पादन होता है जिसमें किसी प्रकार का वस्तु विभेदीकरण नहीं पाया जाता है। एकाधिकार प्रतियोगिता में हर उत्पादक विभिन्न वस्तुओं का उत्पादन करता है। वस्तुएँ समरूप (identical) नहीं होती बल्कि समान (similar) होती हैं। वे एक-दूसरे के पूर्ण-स्थानापन्न न होकर निकट-स्थानापन्न होती हैं। वस्तुएँ आकार, डिजाइन, रंग, सुगंध, पैकिंग आदि के कारण एक-दूसरे से भिन्न होती हैं जिससे वस्तु विभेदीकरण पाया जाता है।

(v) एकाधिकार में विक्रय लागतें नहीं पाई जाती क्योंकि एकाधिकारी का कोई प्रतियोगी नहीं होता। हाँ, प्रारंभ में जब एकाधिकार फर्म स्थापित होती है तो एकाधिकारी अपनी वस्तु की उपभोक्ताओं को सूचना देने के लिए सम्भवतः कुछ पैसा विज्ञापन पर व्यय करे। परंतु वह विज्ञापन पर केवल एक बार ही यह व्यय करेगा, पुनः नहीं। दूसरी ओर, एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता में फर्मों की संख्या अधिक होने पर प्रतियोगिता के कारण विक्रय लागतों पर व्यय करना अनिवार्य होता है।

(vi) एकाधिकारी एक ही वस्तु की विभिन्न ग्राहकों से भिन्न-भिन्न कीमतें ले सकता है और इस प्रकार कीमत-विभेद की नीति अपना सकता है। परंतु एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता में 'प्रतियोगिता' का तत्व होने के कारण कीमत-विभेद संभव नहीं हो सकता।

Scanned by CamScanner

B.A Part I
Paper II A

8.8.22

एकाधिकार एवं एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता में अन्तर :-
(Differences between Monopoly and Monopolistic competition)

बाजार की इन दो विभिन्न अवस्थाओं में कुछ समानताएँ तथा कुछ असमानताएँ पाई जाती हैं जिनकी हम क्रमशः विवेचना करते हैं।

समानताएँ (Similarities) - एकाधिकार तथा एकाधिकारात्मक प्रतियोगिताएँ में निम्नलिखित समानताएँ पाई जाती हैं :

i) दोनों में माँग वक्र (AR) नीचे दायीं ओर झुकने वाला होता है और उसके अनुरूप MR वक्र माँग वक्र के नीचे स्थित होता है।

ii) दोनों बाजार अवस्थाओं में संतुलन बिन्दु कीमत रेखा (AR) से नीचे स्थित होता है।

iii) दोनों में संतुलन, MC एवं MR के एक-दूसरे के बराबर होने के बिंदु पर होता है और MC वक्र MR वक्र को नीचे से काटता है।

iv) दोनों अवस्थाओं में अतिरिक्त क्षमता पाई जाती है अर्थात् LAC को AR इसके न्यूनतम बिन्दु पर स्पर्श नहीं करता।

v) दोनों में ही उत्पादक कीमत-निर्माता (price-maker) होते हैं। वे अपनी इच्छानुसार ~~प्रतियोगिता~~ कीमत को घटा या बढ़ा सकते हैं।

असमानताएँ (Dissimilarities) - एकाधिकार एवं एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता में समानताओं की अपेक्षा असमानताएँ अधिक पाई जाती हैं; जो निम्नलिखित हैं:

i) एकाधिकार ~~में~~ में एक वस्तु का उत्पादक केवल एक ही होता है, जबकि एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता में उत्पादकों की संख्या बहुत होती है।

Scanned by CamScanner